मंगलवार
28 नवम्बर 2023

पृष्ठ 4

बार-बार भूख लगने का क्या है कारण, जानें !

पृष्ठ 5

सिंघम अगेन से अजय देवगन की पहली झलक आई सामने

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 286
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

पराजय से सत्याग्रही को निराशा नहीं होती बल्कि कार्यक्षमता और लगन बढ़ती है।
— महात्मा गांधी

दून वैली मेल

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सिलक्यारा: मिशन जिन्दगी कामयाब

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी। मिशन जिन्दगी कामयाब। किसी भी समय 17 दिनों से सुरंग में फंसे मजदूरों को बाहर लाया जा सकता है। ड्रिलिंग का काम पूरा हो चुका है, श्रमिको तक पाइप पहुंच चुका है। डाक्टरों की टीमें इनका स्वास्थ्य परीक्षण करने के लिए तैयार खड़ी है। मौके पर एनडीआरएफ एसडीआरएफ और पुलिस प्रशासन और जिलाधिकारी सहित तमाम अधिकारी भी मौजूद है। अगर किसी श्रमिक का स्वास्थ्य अच्छा नहीं होता है तो उन्हे एयर लिफ्ट करने का इंतजाम भी किया गया है। अब समाचार लिखे जाने तक सिर्फ श्रमिको को बाहर लाने का इंतजार किया जा रहा है।

इससे पूर्व सभी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। मजदूरों को बाहर लाने के लिए पाइप के जरिए एनडीआरएफ के जवान श्रमिकों तक जायेगे। बाहर एक टीम द्वारा उन्हे यहां बनाये गये स्थायी कैम्प तक ले जाया जायेगा। उनके परिजनों को भी कैम्प में बुला लिया गया है। जो एम्बूलेंस उन्हे अस्पताल लेकर जायेगी उसमें उनके परिजन भी साथ जायेगें।

❑श्रमिकों को बाहर लाने की तैयारी
❑17 दिन में हो सका मिशन जिन्दगी पूरा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केन्द्रीय मंत्री वीके सिंह भी सुरंग से बाहर मौजूद है। 41 एम्बूलेंस श्रमिकों को अस्पताल ले जाने को तैयार रखी गयी है।

उल्लेखनीय है कि 12 नवम्बर दीपावली की रात अचानक सुरंग का 50-60 मीटर लम्बा बड़ा हिस्सा ढह जाने से 41 श्रमिक इस सुरंग में फंस गये थे। इस हादसे के बाद प्रारम्भिक दौर में सुरंग में आये मलबे को हटा कर इन श्रमिकों को बाहर लाने का प्रयास किया गया लेकिन दो दिन के प्रयास के बाद यह प्लान नाकाम हो गया। क्योंकि सुरंग से मलबा निकालने पर पहाड़ से और अधिक मलबा आना शुरू हो गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जब दुर्घटना स्थल पर पहली बार पहुंचे तब इस गम्भीर स्थिति को देखते हुए विशेषज्ञो की राय पर आगर मशीन के जरिए सुरंग में ड्रिलिंग और पाइप डालने का फैसला लिया गया। जिसके लिए दून से आगर मशीन व हरिद्वार से 900 एमएम के पाइप मंगवाने पड़े। इस कार्य के शुरू होने में दो दिन का समय लग गया। और जब काम शुरू हुआ तो तीन पाइप के ड्रिलिंग के बाद ही बाधाएं आना शुरू हो गयी। फिर केन्द्र सरकार की मदद से सेना के माल वाहक विमानो से हैवी आगर मशीन मंगवाई गयी। जिसके बाद फिर ड्रिलिंग का काम शुरू हुआ। लेकिन कदम दर कदम काम के बीच आयी रूकावटों के कारण पाइप 48 मीटर क ड्रिलिंग तक ही पहुंच सका और इस दौरान आगर मशीन का एक बड़ा हिस्सा टूट कर पाइप में फंस गया। जिसके बाद इस प्लान पर दो दिन तक कोई काम नही हो सका और इसकी सफलता पर भी सवाल खड़े हो गये। लेकिन इस बीच सुरंग में फंसे श्रमिको से सम्पर्क होने पर उन तक आक्सीजन तथा खाना आदि पहुंचाने में सफलता मिलने से प्रयासों को आगे बढ़ाने का भी बल मिला।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर इन श्रमिकों को सुरंग से बाहर निकालने के पांच विकल्प तैयार किया गये और सभी विकल्पों पर एक साथ काम शुरू किया गया। लेकिन इसके बाद भी सबसे पहले वाले हारिजेंटल ड्रिलिंग व पाइप पुलिंग पर ही सबसे अधिक उम्मीद जताई गयी थी।

बस पलटने से 33 यात्री गंभीर रूप से जख्मी हुए

प्रतापगढ़। राजस्थान के प्रतापगढ़ में सोमवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें 33 यात्री बुरी तरह जख्मी हो गए। पुलिस के मुताबिक, हादसा उस वक्त हुआ जब बस मध्य प्रदेश के मंसूर से राजस्थान के प्रतापगढ़ जा रही थी। हादसे के बाद आनन-फानन में लोगों को पास के अस्पताल में ले जाया गया जहां उनका

इलाज जारी है। जिला अस्पताल में भर्ती सभी यात्रियों में तीन यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। पुलिस का कहना है कि जाखड़ की तेज रफ्तार बस हथुनिया गांव के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना के बाद बस के अंदर हंगामा मच गया, जिसके बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और बस की खिड़कियों के शीशे तोड़कर फंसे हुए यात्रियों को बाहर निकाला। गौरतलब है कि हादसे की खबर मिलते ही हथुनिया थाने से पुलिस टीम मौके पर पहुंची और यात्रियों को जिला अस्पताल पहुंचाया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीना और प्रशासनिक अधिकारी भी जिला अस्पताल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। एएसपी मीना ने बताया कि फिलहाल घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। उन्होंने कहा, हालांकि दुर्घटना का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, मुख्य रूप से इसका कारण टायर फटना है।

मेरे ऊपर 24 केस हैं, ओवैसी पर एक भी नहीं: राहुल गांधी

नई दिल्ली। तेलंगाना में आज एक रैली के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी भाजपा के सहयोगी हैं और यही कारण है कि ओवैसी जी पर एक भी केस नहीं है। राहुल ने कहा, मैं नरेंद्र मोदी जी के दिल में जो नफरत है, उससे लड़ता हूं। यह विचारधारा की लड़ाई हैं, जिससे मेरा परिवार वर्षों से लड़ रहा है। मेरे ऊपर 24 केस हैं, लेकिन ओवैसी जी पर एक भी केस नहीं है। मेरे पीछे हर वक्त ईडी, सीबीआई, आईटी लगी रहती है, लेकिन ओवैसी जी के पीछे कौन सी ऐजेंसी है? ओवैसी जी, पीएम मोदी की मदद करते हैं, इसलिए वह उनको कुछ नहीं करते।

राहुल ने कहा, तेलंगाना में केसीआर ने दोराला सरकार चला रखी है, जबकि हम प्रजाला सरकार चाहते हैं। शराब, जमीन और रेत में सबसे ज्यादा पैसा बनता है और ये तीनों मंत्रालय केसीआर ने अपने रिश्तेदारों को दे रखे हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि मेरे दो लक्ष्य हैं। पहला लक्ष्य- मोहब्बत के देश से हमें नफरत मिटानी है। इसके लिए पहले यहां केसीआर को हराना है। दूसरा लक्ष्य-फिर नरेंद्र मोदी को दिल्ली में हराना है। यह देश नफरत का नहीं बल्कि मोहब्बत का देश है। इसलिए यात्रा में हमने नारा दिया- नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलनी है। भारत जोड़ो यात्रा ने हिंदुस्तान की राजनीति को हमेशा के लिए बदल दिया है। तेलंगाना में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी एक चुनावी सभा को संबोधित किया। बता दें कि तेलंगाना में विधानसभा चुनाव के लिए 30 नवंबर को मतदान होना है। मुख्यमंत्री केसीआर को घेरने के लिए कांग्रेस ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख रेवंत रेड्डी को खड़ा किया है। तेलंगाना में कांग्रेस और बीजेपी की लड़ाई बीआरएस से ही है। मुख्यमंत्री केसीआर की पकड़ अब भी राज्य पर अच्छी खासी है। यही कारण है कि बीजेपी और कांग्रेस, दोनों दलों के बड़े नेता केसीआर को ही निशाने पर ले रहे हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

विकास की दौड़ विनाश की ओर

सिलक्यारा सुरंग हादसे के बाद विकास के पैरोकारों और पर्यावरण के हित चिंतकों के बीच एक बार फिर जंग छिड़ गई है। जन सरोकारों पर होने वाली बहस बहुत अच्छी बात है लेकिन ऐसी किसी बहस का नतीजा तक पहुंचना भी जरूरी होता है। लंबे समय से जारी इस चर्चा या बहस का नतीजा आज तक किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच सका है यह दुखद है। चारधाम सड़क परियोजना और पहाड़ पर रेल पहुंचाने के लिए वर्तमान में जो योजना-परियोजनाएं गतिमान है उनके लिए तमाम सुरंग का निर्माण हो रहा है या होना है। रेल लाइनों को बिछाने या फिर सड़कों को चौड़ा करने तथा चकाचक बनाने के लिए पहाड़ों को खोदा जाना और पेड़ों का काटा जाना जरूरी है। बेहिसाब विकास चाहिए तो फिर प्रकृति के साथ होने वाली इस अंधाधुंध छेड़छाड़ से भी नहीं बचा जा सकता है। विकास की चाह रखने वाले विनाश की चिंता से बेपरवाह है और उन्हें भावी भविष्य के खतरों से कुछ लेना-देना नहीं है वहीं पर्यावरण और प्रकृति के संरक्षण को जरूरी मानने वाले ऐसे विकास को विनाश की संज्ञा देते हैं जो आने वाली पीढियों के लिए अभिशाप बन जाएगा। अभी हाल ही में हुए तमाम सर्वेक्षण इस बात की तस्दीक भी करते हैं कि अनियोजित विकास के कारण भूध सांव तथा भूस्खलन की घटनाएं ही नहीं बढ़ रही हैं भूकंप और बाढ़ जैसी आपदाओं को भी आमंत्रित कर रही हैं। अभी जोशीमठ के अस्तित्व पर जो भूधसाव का खतरा मंडरा रहा है वह इसका ताजा उदाहरण है जोशीमठ ही नहीं चमोली, रुद्रप्रयाग और उत्तरकाशी के अन्य तमाम क्षेत्रों के साथ टिहरी के अनेक ग्रामीण क्षेत्रों तक इस समस्या को देखा जा सकता है वर्तमान समय में जों सिलक्यारा क्षेत्र में सुरंग निर्माण किया जा रहा है वहां साल भर पहले भी सुरंग निर्माण के लिए सर्वे किया गया था लेकिन पहाड़ के अंदर कई जल स्रोतों के मिलने के कारण इसे रोकना पड़ा था। इस क्षेत्र का जो ऊपरी इलाका है वह गंगा-जमुना का जलागम क्षेत्र है। अनेक भूगर्भीय पावर लाइन पहाड़ों के अंदर बिछी पड़ी है। जो इस हिमालयी क्षेत्र को कमजोर बनाती हैं। अब इसी क्षेत्र में 415 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण अगर बिना किसी भूगर्भीय सर्वेक्षण के किया जा रहा है तो उसके नकारात्मक परिणाम सामने आना स्वाभाविक है। जब टिहरी बांध का काम शुरू हुआ था तब उसका भारी विरोध पर्यावरणविदों द्वारा किया गया था लेकिन उसे अनसुना कर दिया गया और वर्तमान में विकास के नाम पर जो कुछ बीते कुछ सालों से पहाड़ में हो रहा है उसे रोकना न जा सके और विरोध करने वालों को दकियानूसी विचारधारा के लोग बताकर उन्हें दरकिनार कर दिया जाए लेकिन इस हिमालय क्षेत्र की जटिल और अति संवेदनशीलता को नकारा जाना बड़े विनाश का कारण बन सकता है। विकास की अंधी दौड़ और पहाड़ पर रेल तथा उद्योग चढ़ाने की कोशिशें के बीच अगर पहाड़ की और प्रकृति की संवेदनशीलता के बीच संतुलन बनाए नहीं रखा गया तो इसके परिणाम अत्यंत ही गंभीर और घातक होंगे। अभी केदारपुरी की आपदा को बहुत लंबा समय नहीं हुआ है और न उत्तराखंड के उत्तरकाशी के भूकंप की विनाश लीला को लोग भूले हैं। ऐसी स्थिति में विनाश की कीमत पर होने वाले विकास के कोई मायने नहीं रह जाते हैं।

सशक्त भू कानून की मांग को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय में प्रदर्शन

हमारे संवाददाता

देहरादून। सशक्त भू-कानून की मांग को लेकर प्रदर्शन करते हुए उत्तराखंड के क्षेत्रीय संगठन भैरव सेना के सहयोग में आज राष्ट्रीय बजरंग दल इत्यादि दलों के सदस्यों ने जिलाधिकारी के माध्यम से उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन प्रेषित किया गया।

इस अवसर पर भैरव सेना के केंद्रीय अध्यक्ष संदीप खत्री ने कहा कि सशक्त भू-कानून नया राज्य बनने के पश्चात यदि उत्तराखंड में लागू हो जाता तो, आज उत्तराखंड राज्य में हो रहे अवैध जनसंख्यकीय विस्फोट पर रोकथाम लग पाती तथा अवैध धार्मिक कब्जे भी नहीं हो पाते। परंतु उत्तराखंड राज्य वासियों के अनुसार अब किसी भी सूरत में उत्तराखंड में भू-कानून अधिनियम बनाना ही होगा। अन्यथा पृथक राज्य आंदोलन के दौरान बलिदान देने वालों का समर्पण व्यर्थ चला जाएगा।

राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र सिंह बॉबी ने कहा कि 23 सालों में राज्य को एक दर्जन से अधिक मुख्यमंत्री तो मिले। परंतु एक सशक्त भू-कानून नहीं मिल पाया यह कहीं न कहीं महत्वाकांक्षी राजनेताओं की चूक है। जिसका खामियाजा उत्तराखंड राज्य वासियों को भुगतना पड़ रहा है। अब यदि उत्तराखंड का भू-अधिनियम कानून पारित न हुआ तो उत्तराखंड हितैषी समस्त संगठन अपनी मांगो के लिये प्रदेशव्यापी उग्र आंदोलन के लिए विवश होंगे। जिस की समस्त जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। राष्ट्रीय बजरंग दल की नगर कार्यकारिणी सदस्य बीना देवी ने कहा कि भू-कानून लागू न होने का सबसे बड़ा नुकसान दलित एवम निर्बल वर्ग के लोगों की भूमि पर हुआ। बाहुबली भूमाफियों ने धन-बल तथा उंचे रसूख के चलते ग्राम पंचायत, नगर निगम तथा गौचर भूमि तक को नहीं छोड़ा।

भैरव सेना की प्रदेश अध्यक्षा अनीता थापा ने कहा कि भूमाफियाओं की कुछ शासन प्रशासन के अधिकारियों के साथ मिली भगत से सरकारी भूमि पर भी कब्जे होने शुरू हो गए हैं जिसके आंकड़े लगातार शासन-प्रशासन के पास भी पीड़ितों द्वारा पहुंच रहे हैं। इसलिए उत्तराखंड में सशक्त भू-अधिनियम कानून लागू होना अनिवार्य है। जिसके लिए भैरव सेना द्वारा ज्ञापन प्रेषण से शंखनाद कर दिया गया है तथा अतिशीघ्र मांग पूरी न होने पर प्रदेशव्यापी उग्र आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में वक्ताओं सहित संजय पंवार, विनय नेगी, सिद्धार्थ नेगी, अन्नू राजपूत, गणेश जोशी, शक्ति वालिया, सचिन राणा इत्यादि उपस्थित रहे।

दुपहिया वाहन सवार बदमाशों ने महिला के कुण्डल लूटे

संवाददाता

देहरादून। दुपहिया वाहन सवार बदमाशों ने महिला के कान के कुण्डल लूट लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकार के अनुसार लाडपुर निवासी प्रत्यक्ष गोयल ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी मां सांय को घर से घुमने के लिए गयी थी जब वह तपोवन तिराहा पुल के पास पहुंची तभी दुपहिया वाहन में सवार दो युवकों ने उसकी मां के कान के कुण्डल लूट लिये। जब तक वह शोर मचाती तब तक बदमाश मौके से फरार हो गये थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चोरी की स्कूटी के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी की स्कूटी के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार संजय कालोनी निवासी निखिल ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी एक्टिवा मातावाला बाग के पास से चोरी हो गयी है।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आज चोरी की स्कूटी के साथ मोनू सिंह उर्फ मोनल पुत्र सूरपाल निवासी शिव मन्दिर के सामने ब्रहमपुरी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

क्रेडिट कार्ड एक्टिव कराने के नाम पर ठगे 76 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। क्रेडिट कार्ड एक्टिव कराने के नाम पर 76 हजार रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मिस्सरवाला निवासी विपिन कुमार ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके मोबाइल पर कॉल आयी और कॉल करने वाले ने अपने आपको क्रेडिट कार्ड अधिकारी बताते हुए कहा कि उसका क्रेडिट कार्ड को एक्टिव करना है जिसके लिए उसने उससे कहा कि एनीडेस्क ऐप को डाउनलोड करना होंगा। उसने जैसे ही एनीडेस्क एप को डाउनलोड किया उसके खाते से 76 हजार 750 रूपये निकल गये। जिसके बाद उसको पता चला कि उसके साथ साइबर ठगी हो गयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स नो भगाय वायवे विप्रवीरः सदावृधः।
सोमो देवेष्वा यमत्।।

(ऋग्वेद ९-४४-५)

पवित्र सोम वीर और कर्मयोगियों को शक्ति देकर प्रोत्साहित करता है। सोम जो लोगों के कल्याण के लिए यज्ञनिक कर्म करते हैं उनका समाज में सम्मान और ऐश्वर्य बढ़ाता है।

अधिकारियों ने आसान कंजर्वेशन में स्टोन क्रेशर के लाइसेंस बांटे:नेगी

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि अधिकारियों की मिलीभगत के चलते सरकार को गुमराह कर आसान कंजर्वेशन जैसे अति संवेदनशील क्षेत्र में 10 किलोमीटर की परिधि में स्टोन क्रेशर लाइसेंस जारी कर दिये गये।

आज यहां पत्रकारों से वार्ता करते हुए नेगी ने कहा कि भारत सरकार के वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत आसन कंजर्वेशन रिजर्व को बहुत ही संवेदनशील क्षेत्र घोषित किया गया है तथा उच्च न्यायालय द्वारा जनहित याचिका में उक्त संवेदनशील क्षेत्र में 10 किलोमीटर की परिधि के भीतर बिना नेशनल वाइल्ड लाइफ बोर्ड की अनुमति के किसी भी प्रकार की खनन से सम्बन्धित पर पूर्णतय रोक लगा चुका है लेकिन बावजूद इसके नीचे से ऊपर तक अधि

कारियों ने भारी भरकम रकम हासिल कर सकारात्मक रिपोर्ट लगा दी, जिसके तहत सरकार ने 6-7 स्टोन क्रेशर आवंटित कर दिये। उन्होंने कहा कि उक्त के अतिरिक्त यह भी प्रावधानित है कि उक्त क्षेत्र में दूनघाटी (वर्तमान में एमडीडीए) से भी अनुमति जरूरी है लेकिन कोई पूछने वाला नहीं है। आलम यह है कि अधिकारी आमजन की पत्रावलियां यानी उनके आवेदनों पर कार्यवाही करना तो दूर उसमें आपत्तियां लगाकर परेशान करते हैं लेकिन माफियाओं के लिए इनके दिल में बडा रहम है।

उन्होंने कहा कि मोर्चा राजभवन से मांग करता है कि उक्त गम्भीर मामले में संज्ञान लेकर कार्रवाई करे अगर कार्यवाई नहीं होती है तो मोर्चा न्यायालय में दस्तक देगा। प्रेसवार्ता मे दिलबाग सिंह व प्रवीण शर्मा मौजूद थे।

इन बीमारियों में बहुत खतरनाक हो सकता है बैंगन का सेवन

बैंगन एक सदाबहार सब्जी है जो बाजार में हर मौसम में उपलब्ध होता है और जिससे लोग अलग अलग तरह के डिश बनाकर बड़े चाव से खाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं बैंगन की सब्जी और बैंगन से बना डिश कुछ लोगों के स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक हो सकता है। जी हां बैंगन में एक प्रकार का नैनूसिन पाया जाता है जो कुछ लोगो के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। तो आइए जानते हैं किसे और किन अवस्थाओं में बैंगन नहीं खाना चाहिए।

1. जिन लोगों को खून की कमी हो या जो लोग समय-समय पर रक्तदान करते हों उन्हें भूल कर भी बैंगन का सेवन नहीं करना चाहिए। यह उनके लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है जो खून को नहीं बनने देता और कई तरह की समस्याओं को उत्पन्न करता है।

2. स्वास्थ्य के लिहाज से देखा जाए तो बैंगन एक फायदेमंद सब्जी है और बैंगन को कई प्रकार से खाने में प्रयोग किया जाता है। जैसे आलू-बैंगन की सब्जी, बैंगन का भरता और बैंगन का पकौड़ा ना जाने कितने तरीके से हम बैंगन का प्रयोग करते हैं। बैंगन जितना खाने में टेस्टी होता है कुछ लोगों के लिए वह उतना ही नुकसानदायक भी होता है।

3. आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में पथरी की समस्या आमतौर पर सुनने को मिल जाती है। किडनी स्टोन यानि गुर्दे की पथरी का दर्द असहनीय होता है। गुर्दे की पथरी का सबसे बड़ा कारण हमारा गलत खानपान और कम पानी पीने की आदत है। पथरी की समस्या होने पर आप अपने खानपान में बैंगन का इस्तेमाल भूलकर भी ना करें। बैंगन में ऑक्सलेट काफी मात्रा में पाया जाता है जो पथरी की समस्या में बेहद खतरनाक होता है और यदि आप स्वस्थ्य हैं तो भी बैंगन खाते समय उसके बीज को निकाल दें।

4. जी हां खूनी बवासीर और नकसीर जैसी समस्याओं से ग्रस्त लोगों के लिए बैंगन जहर से कम नहीं होता है और अधिक मात्रा में बैंगन का सेवन करने वालों को बवासीर और नकसीर जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे आपकी बवासीर की समस्या में खून का बहना अधिक मात्रा में शुरु हो जाता हैं जो आपके लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इसलिए बवसीर और नकसीर जैसी समस्याओं में बैंगन का भूलकर भी अपने खानपान में इस्तेमाल ना करें।

5. शरीर में ज्यादा गर्मी महसूस होती हो या किसी भी तरह की एलर्जी हो, ऐसे में आपको बैंगन का इस्तेमाल बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। ऐसी स्थिति में आप यदि बैंगन खाते हैं तो यह आपके लिए बेहद खतरनाक हो सकता है। जो आपकी एलर्जी में बहुत तेजी से वृद्धि करता है। इसके साथ ही गैस या कब्ज जैसी समस्या में भी बैंगन का इस्तेमाल बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। अगर आप लगातार डिप्रेशन की दवा ले रहें हैं तो बैंगन से बिल्कुल दूरी बनाकर रखें। इस समय यदि आप बैंगन या इससे बनी किसी भी तरह की डिश का अपने खानपान में इस्तेमाल करते हैं तो आपके शरीर में दवाई का असर कम होने लगेगा।

गोल्ड मेडल जीतकर आयी टीम का रेलवे स्टेशन पर जोरदार स्वागत

संवाददाता

देहरादून। मार्शल आर्ट में गोल्ड मेडल जीतकर आयी टीम का रेलवे स्टेशन पर जोरदार स्वागत किया गया । आज यहां इंटरनेशनल चैपियनशिप 2023 अमृतसर पंजाब में उत्तराखण्ड की वन मैन आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ मार्शल आर्ट की चयनित टीम ने प्रतिभाग कर इंडिया टीम को मुख्य प्रशिक्षक मार्शल आर्ट के महागुरु डा नवीन हिक्की नेतृत्व में लगभग 60 खिलाड़ियों ने 100 प्रतिशत गोल्ड मेडल जीत कर उत्तराखण्ड राज्य सहित देश का मान बढ़ाया। टीम इंडिया की जीत हासिल

करने के पश्चात आज देहरादून में वापसी की लाहौरी ट्रेन से आज वापस लौट कर देहरादून पहुंचने पर उत्तराखण्ड सरकार के पूर्व युवा कल्याण राज्य मंत्री के निजी सचिव ,पूर्व पार्षद विकास चौहान ने सभी खिलाड़ियों को फूल मालाएं पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर वन मैन ऑफ इंस्टीट्यूट ऑफ मार्शल आर्ट के वाइस प्रेसिडेंट पूर्व पार्षद विकास चौहान ने कहा कि शीघ्र ही मार्शल आर्ट के महागुरु डा नवीन हिक्की सहित जीत दर्ज करने वाले खिलाड़ियों का राजधानी देहरादून में बड़े स्तर पर सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। राज्य के खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभ कामना करते हैं। इस अवसर पर मार्शल आर्ट के महागुरु डा नवीन हिक्कि ,पार्षद रमेश चंद्र काला, वाइस प्रेसिडेंट पूर्व पार्षद विकास चौहान, सुरेश यादव एडवोकेट ,ललित मोहन आचार्य ,आशुतोष आचार्य,नीतू गुप्ता आचार्य ,सृष्टि गोदियाल ,जीवन आचार्य ,मोहन बहुगुणा,मनीष पाल ,मनोज यादव एडवोकेट आदि अन्य खिलाड़ी सहित उनके परिजन मौजूद रहे।

हल्दी, मेथी दाना व सेंधा नमक, कमर दर्द से दिलायेंगे छुटकारा

कमर दर्द ऐसा परेशान करने वाला दर्द है जिसकी वजह से उठना, बैठना और सोना तक मुहाल हो जाता है। ये किसी को भी किसी भी उम्र में हो सकती है। कई बार भारी जीज़ उठाने से, वर्कआउट करने से, लंबे समय तक बैठ कर काम करने से कमर दर्द की शिकायत हो जाती है। इस दर्द से राहत पाने के लिए अक्सर हम घर में मौजूद पैनकिलर का इस्तेमाल कर लेते है, जिससे उस वक्त तो दर्द से राहत मिल जाती है, लेकिन वो दर्द फिर से दोबारा होने लगता है। अगर आप भी कमर दर्द से परेशान है तो हम आपको कुछ घरेलू नुस्खों के बारे में बता रहे हैं जिनका इस्तेमाल करके आप दर्द से छुटकारा पा सकते है।

लहसुन: लहसुन न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाने का काम करता है बल्कि इसके सेवन से सेहत को कई तरह के फायदे भी होते हैं। लहसुन का इस्तेमाल आप चाहें तो खाने में डाल कर सकते है। आप चाहें तो लहसुन की तीन या चार कलियों को सुबह नाश्ते में खा सकते है। अगर आप लहसुन खा नहीं सकते तो आप लहसुन की कलियों को तेल में डालकर पका कर मालिश करने के लिए भी कर सकते है। सरसों के तेल में 4-5 लहसुन की कलिया डालकर उबाल लें। इसके बाद इसे गर्म करें। फिर इसे छानकर ठंडा करके, इस तेल से मालिश करें। इस तेल की मसाज से आपको दर्द से राहत मिलेगी।

हल्दी: शरीर में किसी भी तरह के दर्द और सूजन से राहत पाने में हल्दी रामबाण की तरह काम करती है। एक गिलास दूध में हल्दी डालकर पीने से दर्द से राहत मिलती है।

सेंधा नमक: आयोडीनयुक्त नमक की तरह सेंधा नमक का उपयोग खाना पकाने के लिए किया जा सकता है। सेंधा नमक में ऐसे गुण पाए जाते हैं जो आपको दर्द से राहत दिला सकते हैं। इसके लिए सेंधा नमक को पानी में डालकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इसके बाद इसे कमर में लगाएं दर्द से राहत मिलेगी।

मेथी दाना: कई गंभीर बीमारियों को दूर करने में मेथी दाना को इस्तेमाल में लाया जाता है। कमर दर्द में भी मेथी दाना बहुत असरदायक है। एक गिलास गर्म दूध में एक चम्मच मेथी का पाउडर और एक चम्मच शहद डालकर पीएं, इससे कुछ ही देर में आपको कमर दर्द से राहत मिल जाएगी।

अदरक: अदरक एक औषधीय गुणों से भरपूर मसाला है। अदरक 100 से ज्यादा बीमारियों में असरदार साबित होती है। सर्दी-खांसी,पाचन जैसी समस्याओं को दूर करने के साथ ही अदरक में कमर दर्द को दूर करने की भी ताकत है। कमर दर्द से छुटकारा पाने के लिए इसका इस्तेमाल किसी भी तरह किया जा सकता है। आप चाहें तो अदरक का काढ़ा बना कर पी सकते हैं। एक कप पानी में थोड़ी सी अदरक डालकर धीमी आंच में 10-15 मिनट पकाएं। इसके बाद इसे छान लें, और एक चम्मच शहद मिक्स करके इसका सेवन करें। इससे कमर दर्द के साथ ही सर्दी, खांसी व गले की समस्या से भी निजात मिलेगी।

फैशन स्टाइल बना लॉन्ग गाऊन

आजकल फैशन में वेस्टर्न फ्रॉक या लॉन्ग गाऊन बहुत चलन में है। इनको डिजाइनर कई तरह के फैब्रिक और डिजाइन में बना रहे हैं। फैब्रिक के अनुसार इनके पैटर्न में और भी अधिक चैन किया जा रहा है। गाऊन को कई तरह के फैब्रिक से तैयार किया जाने लगा है। इस सीजन में फ्लोवर के साथ पत्तियों के प्रिंट सबसे ज्यादा चल रहे है। क्योंकि यह फ्रे श कलर सबसे ज्यादा आ रहे है। फ्रॉक फ्रॉक कई फैब्रिक में आने लगी हैं। ज्यादातर जॉर्जेट, शिफॉन, नेट में आती हैं।

फ्रॉक या लॉन्ग गाऊन में कई तरह के डिजाइन और सिंपल तरीके से भी

तैयार किया जा रहा है। फैशन डिजाइनर के अुनसार इंपोटेंड कपडो में स्टाने और फ्लोवर डेकोरेशन में काफी चल रहा है।

हैवी लुक देने के लिए कपडों से तैयार फ्लोवर भी डेकोरेटर किये जा रहे हैं। इन्हें शोलडर, नेक और कमर पर लगाया जा रहा है। प्रिंटेड फ्रॉक में कई पैटर्न हैं। इसमें मौसम के अनुसार फुल स्पीव्स, हाफ, मेघा अस्तिन, स्लीवलेस वाले पैटर्न भी चलते हैं। नेक लाइन में भी अलगअलग डिजाइन चल रही हैं। इसमें बोट कट, कॉलर स्टाइल, राउंड भी गर्ल्स पहनती हैं। इवनिंगफ्रॉक भी कई लेथ में आ रही हैं।

गर्ल्स इन्हें ओकेजन और अपनी पर्सनैलिटी के अनुसार स्लैक्ट कर रही हैं। डिजाइन के अनुसार- कॉलेज गर्ल्स लॉग फ्रॉक पहना ज्यादा पसंद कर रही है। पार्टी के लिए शॉट्स और नीलेथ ज्यादा पसंद आ रही हैं। शॉट्स में जहां चेकस और प्लेन चल रहे हैं वहीं लॉंग और नीलेथ में बडेबडे प्रिंट इस समय फैशन में छाए हुए हैं। कांट्रस्ट कलर प्रिंट भी इस सीजन में डिमांड में काफी हैं।

दूसरों की इन वस्तुओं का उपयोग कभी न करें

अगर आपको भी दूसरों की चीजें मांग कर इस्तेमाल करने की आदत है तो इसे छोढ दें। यह आपके लिए मुसीबत और बदकिस्मती ला सकती हैं। इसका कारण नकारात्मक ऊर्जा होती है। दूसरों की कुछ चीजें ऐसी होती हैं, जिनका अगर आप उपयोग करते हैं तो उनकी नकारात्मक ऊर्जा आप तक पहुंच जाती है। इसलिए इनके प्रयोग से बचने की सलाह दी जाती है।

घडी- कहा जाता है कि दूसरों की घडी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। घढी को व्यक्ति के जीवन के समय से जोढकर देखा जाता है, इसलिए माना जाता है कि दूसरे की पहनी घढी को पहनने से उसका बुरा समय आपके साथ शुरू हो सकता है।

कपडे- किसी के पहने हुए कपडे पहनने से दुर्भाग्य आता है। इसलिए किसी के पहने कपडों को पहनने से बचना चाहिए। इससे उनकी नकारात्मक ऊर्जा भी आती है।

अंगूठी- बात सिर्फ रत्नों वाली अंगूठी की ही नहीं है किसी भी धातु की अंगूठी अगर आप दूसरों से अदल-बदल कर पहनते हैं तो अपने लिए मुश्किलों को खडा कर रहे हैं।

चप्पल- अक्सर किसी की पहनी हुई चप्पल या जूते भी हम पहन लेते हैं यह आदत आपको दरिद्रता का शिकार बना सकती है। कहा जाता है कि अगर आप किसी और की चप्पल पहनते हैं तो उसके संघर्ष अपने ऊपर ले लेते हैं।

कंघा- यह बात सेहत के लिहाज से तो कही ही जाती है लेकिन किस्मत की दृष्टि से भी कंघे का इस्तेमाल गलत है। ना सिर्फ कंघे बल्कि जो भी सामग्री सिर से संबंधित है वह शेयर नहीं करना चाहिए।

पेन- किसी के पेन या पेंसिल अगर आप लेतें है तो उसे वापस लौटाएं। ऐसा नहीं करने पर आपको आर्थिक और करियर में नुकसान उठाना पढ सकता है।

दूध पीने का सही वक्त क्या है?

दूध पीने से शरीर को यह फायदा मिलता है, बच्चों की हाइट बढ़ती है यह आपने अक्सर बड़े-बुजुर्ग के मुंह से सुना होगा। दूध पीना शरीर के लिए काफी अच्छा होता है। यह सभी बातें हम अक्सर सुन लेते हैं। कई लोग सुबह खाली पेट दूध पीना पसंद करते हैं तो कुछ लोग शाम में दूध पीते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं इसके पीने का परफेक्ट टाइमिंग।

रात या सुबह दूध किस वक्त पीना चाहिए?

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक शरीर की बनावट और उम्र के हिसाब से दूध पीना चाहिए। कुछ लोगों के लिए सुबह के वक्त दूध पीना फायदेमंद हो सकता है वहीं कुछ लोगों के लिए रात का समय सही रहता है। डॉक्टर्स के मुताबिक दूध किसी भी समय पीजिए यह शरीर को फायदा ही पहुंचाता है। अगर आपको पेट से जुड़ी कोई दिक्कत है तो दूध पीने का समय बदल लीजिए। नहीं तो इससे आपकी तकलीफ और भी बढ़ जाएगी। 5 साल से ज्यादा उम्र वाले लोगों को सुबह खाली पेट दूध नहीं पीना चाहिए।

इन लोगों को दिन के वक्त दूध पीना चाहिए

जो लोग बॉडी बनाने के लिए दूध पीते हैं उन्हें दिन के वक्त दूध पीना चाहिए। अगर ऐसे लोग दिन में दूध पीते हैं तो उन्हें पूरे दिन एनर्जी मिलती है। बच्चों को सुबह के वक्त क्रीम से भरपूर दूध पीना चाहिए। इसमें कैल्शियम काफी ज्यादा होती है। और हड्डी भी मजबूत होती है। दूध पीने से शरीर में पोटेशियम, मैग्नीशियम और प्रोटीन भरपूर मात्रा में मिलती है।

कमजोर मेटाबॉलिज्म वालों को दिन में दूध नहीं पीना चाहिए

बुजुर्गों की फिजिकल एक्टिवीटी काफी कम होती है उन्हें दिन के वक्त दूध नहीं पीना चाहिए। बूढ़े- बुजुर्ग को गाय के दूध पीना चाहिए क्योंकि यह काफी हल्का होता है। यह आसानी से पच जाता है।

हड्डियों के लिए फायदेमंद है दूध पीना

अगर आप दूध नहीं पीते हैं तो शरीर में कैल्शियम की कमी होने लगती है। दूध में कैल्शियम के साथ-साथ थाइमिन और हड्डी को मजबूत करने की क्षमता होती है। अगर आपको गैस-एसिडिटी की समस्या है तो दूध में शक्कर मिलाकर पिएं।

पानी पीने के बाद भी लगती है प्यास? तो हो जाइए सावधान

पानी पीना सेहत के लिए बेहद जरूरी होता है. यह शरीर की गंदगी को बाहर निकालकर उसे हेल्दी बनाने का काम करता है. हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, हर दिन 3-4 लीटर पानी पीना चाहिए. लेकिन अगर पानी पीने के बावजूद बार-बार प्यास लगती है तो सावधान हो जाना चाहिए, क्योंकि ये गंभीर समस्याओं का संकेत हो सकता है.

बार-बार प्यास लगना बार-बार प्यास लगना सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है. ऐसे में आइए जानते हैं यह कितना खतरनाक हो सकता है...

बार-बार प्यास क्यों लगती है

बार-बार प्यास लगने को पॉलीडिप्सिया कहा जाता है. शारीरिक मेहनत, पसीना निकलना, डिहाइड्रेशन या नमक वाली चीजों का ज्यादा सेवन करने से प्यास ज्यादा लगती है. ज्यादा मात्रा में कैफीन-शराब पीने वाले और प्रेगनेंसी में ज्यादा प्यास लगती है. कुछ गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की वजह से भी पॉलीडिप्सिया की समस्या हो सकती है. इसलिए इसे गंभीरता से लेना चाहिए. वरना इसकी वजह से कई और समस्याएं हो सकती हैं.

पानी पीने के बाद प्यास लगना इन बीमारियों का संकेत

डायबिटीज ऐसी क्रोनिक बीमारी है, जो अपने साथ कई रोग लेकर चलती है. इसलिए डायबिटीज को लेकर बिल्कुल भी लापरवाही नहीं करनी चाहिए. डायबिटीज के कारण भी बार-बार प्यास लग सकती है. मधुमेह रोगियों में ये काफी आम लक्षण होते हैं. अगर बार-बार आपको प्यास लग रही है तो तत्काल डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए. अधिक प्यास लगना हार्ट डिजीज का संकेत भी हो सकता है.ब्लड प्रेशर बढने और हार्ट फेलियर तक में सामान्या से ज्यादा प्यास लग सकती है. हार्ट या ब्लड प्रेशर की समस्या को लेकर भी सावधानी बरतनी चाहिए.

अधिक प्यास लगने से ये बीमारियां भी

1. ज्यादा प्यास लगना सेप्सिस का संकेत भी हो सकता है. यह काफी खतरनाक बीमारी है, जो बैक्टीरिया या अन्य संक्रमण से होने वाली गंभीर इंफ्लामेटरी प्रतिक्रिया की वजह से होती है. 2. उल्टी और दस्त की वजह से 3. शरीर से ज्यादा खून निकलने पर 4. लिथियम और कुछ एंटीसाइकोटिक्स दवाईयों के सेवन से

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

बार-बार भूख लगने का क्या है कारण, जानें !

भूख लगने पर हम सभी खाना खाते हैं। इससे शरीर को एनर्जी मिलती है। आमतौर पर एक इंसान दिन में तीन से चार बार खाना खाता है लेकिन अगर भरपेट खाना खाने के बाद भी भूख महसूस हो तो तुरंत सावधान हो जाना चाहिए। कुछ लोग इसे कमजोरी मानते हैं लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इसके कई गंभीर कारण हो सकते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट लवनीत बत्रा ने अपने इंस्टाग्राम पर इसको लेकर जानकारी दी है कि आखिर बार-बार भूख लगने के क्या कारण होते हैं।

बार-बार भूख लगने के 6 कारण

प्रोटीन की कमी

न्यूट्रिशनिस्ट लवनीत बत्रा बताती हैं कि अगर खाने में प्रोटीन कम है तो अक्सर भूख लगती रहती है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रोटीन ऊर्जा प्रदान कर भूख बढ़ाने वाले हार्मोंस को कंट्रोल में रखता है। ऐसे हार्मोंस को बनाता है, जो पेट भर जाने का संकेत देते हैं। प्रोटीन फूड क्रेविंग को भी कम करनेका काम करता है। ऐसे में खाने में प्रोटीन से भरपूर चीजें शामिल करनी चाहिए।

नींद पूरी न होना

नींद न पूरी हो पाने के कारण भी बार-काबू में नहीं रहता है और बढ़ जाता है। इससे बार-बार भूख लगने का एहसास होता है। इसलिए ठीक तरह से पूरी नींद लेनी चाहिए।

रिफाइंड कार्ब्स के सेवन से

रिफाइंड कार्ब्स का ग्लाइसेमिक इंडेक्स काफी ज्यादा होता है। ऐसे में इनका ज्यादा सेवन भूख को बढ़ा देता है और जल्दी-जल्दी कुछ न कुछ खाने का मन

शरीर में फाइबर की कमी

जब हमारी बॉडी में पर्याप्त मात्रा में फाइबर नहीं होता, तब बार-बार भूख का एहसास होता है। दरअसल, फाइबर से भरपूर चीजें भूख कम करने वाले हार्मोन को बनाने का काम करते हैं। इससे पेट काफी समय तक भरा महसूस होता है। ऐसे में खाने में फाइबर को ज्यादा रखना चाहिए।

ज्यादा तनाव

न्यूट्रिशनिस्ट लवनीत बत्रा बताती हैं कि , आज की लाइफस्टाइल ही तनाव वाली हो गई है। ज्यादा तनाव लेने से शरीर में कॉर्टिसोल नाम का हार्मोन बढ़ जाता है, जिससे बार-बार भूख लगती है। ऐसे में तनाव को कम करने की कोशिश करना चाहिए।

इन बीमारियों की वजह से भी

डायबिटीज और थायरॉइड जैसी गंभीर बीमारियों में भी बार-बार भूख लगती है। दरअसल, डायबिटीज के मरीजों में ग्लूकोज सेल्स तक नहीं पहुंच पाता, जिससे एनर्जी बनने की बजाए यूरिन के रास्ते बाहर आ जाता है। ऐसे में जब शुगर हाई होता है तो बहुत ज्यादा भूख लगती है। कुछ न कुछ खाने का मन करता है। थायरॉइड हॉर्मोन बढने पर भी जल्दी-जल्दी भूख लगती है।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -002

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भूत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे

2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

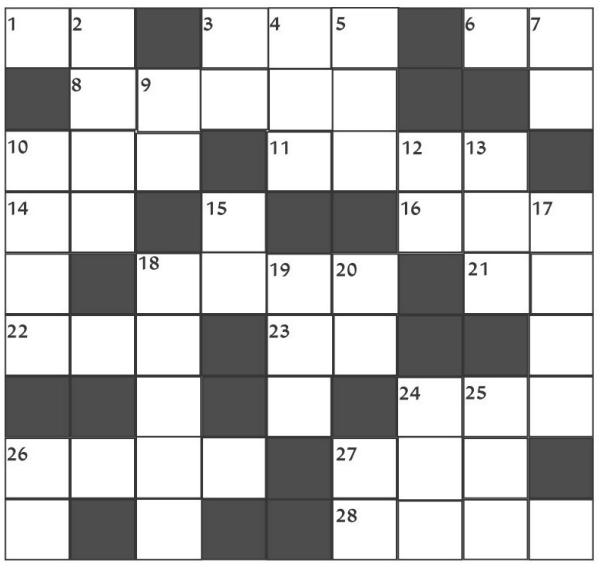

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 01 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा	■	म	हा	र	त
क	■	ह	■	■	■	■	ज	न
■	जा	न	की	■	क	म	नी	य
■	■	त	म	क	ना	■	■	■
म	■	■	त	ह	त	■	दा	ब
सी	मा	■	■	ला	■	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	■	वा	■	च
■	■	द	■	■	घा	ल	मे	ल
■	ब	द	ह	वा	स	■	■	न

फिल्म द आर्चीज का नया गाना इन राहों में जारी, अरिजीत सिंह ने दी अपनी आवाज

जोया अख्तर के निर्देशन में बनी रही फिल्म द आर्चीज शुरुआत से ही चर्चा में हैइस फिल्म के जरिए कई स्टारकिड्स जैसे- अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा, जाह्नवी कपूर की बहन खुशी कपूर और शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान फिल्मी दुनिया में कदम रखने जा रहे हैंसुनोह और वा वा वूम के बाद अब द आर्चीज का तीसरा गाना इन राहों में रिलीज हो चुका है।

इन राहों में को अरिजीत सिंह ने अपनी जादुई आवाज दी है। इस गाने के बोल जावेद अख्तर ने लिखे हैंद आर्चीज 7 दिसंबर को ह्रञ्ज्ञ प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देने के लिए एकदम तैयार हैफिल्म से सुहान, खुशी और अगस्त्य के अलावा मिहिर आहूजा, वेदांग रैना, अदिति सहगल भी बॉलीवुड में अपने सफर की शुरुआत कर रहे हैंद आर्चीज किशोरों की लोकप्रिय कॉमिक द आर्ची पर आधारित है, जो 60 के दशक की ओर ले जाएगी।

यह गाना 1960 के रॉक म्यूजिक को बॉलीवुड म्यूजिक की संवेदनाओं के साथ जोड़ता है, जिससे एक नया साउंड पैदा होता है।

इसी नाम की लोकप्रिय अमेरिकी कॉमिक बुक सीरीज का जोया अख्तर का लाइव-एक्शन म्यूजिकल कुछ ऐसा है, जो 2022 से बन रहा है।

फ्लीटवुड मैक, रोलिंग स्टोन्स, द बीटल्स, क्रेडेंस क्लियरवॉटर रिवाइवल जैसे क्लासिक रॉक बैंड की शैली को बॉलीवुड म्यूजिक की संवेदनाओं के साथ मिश्रित करते हुए, इन राहों में को क्रिएटिव रूप से पुराना और नया दोनों है।

कॉमिक बुक सीरीज को भारतीय परिप्रेक्ष्य में पेश करते हुए, द आर्चीज की दुनिया किशोरों की दोस्ती और रॉकएन रोल दोनों के इर्द-गिर्द घूमती है।

बॉक्स ऑफिस पर सलमान की टाइगर 3 की पकड़ हुई ढीली

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 दर्शकों की पहली पसंद बनी हुई हैइस एक्शन फिल्म के सामने बाकी बॉलीवुड फिल्मों का टिकना मुश्किल लग रहा है, जिसमें विक्रांत मैसी की 12वीं फेल और सुप्रिया पाठक की खिचड़ी 2 शामिल हैंदिवाली के खास मौके पर सिनेमाघरों में आई टाइगर 3 को दर्शकों का बेशुमार प्यार मिल रहा हैहालांकि, पिछले कुछ दिनों से फिल्म की दैनिक कमाई में गिरावट देखने को मिल रही है।

टाइगर 3 की कमाई के 9वें दिन के आंकड़े सामने आ चुके हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने सोमवार को महज 6.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 236.43 करोड़ रुपये हो गया हैभारतीय बॉक्स ऑफिस पर टाइगर 3 की कमाई 250 करोड़ रुपये की ओर है तो वहीं दुनियाभर में फिल्म ने 350 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है।

टाइगर 3 में सलमान की जोड़ी कैटरीना कैफ के साथ बनी है, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। फिल्म में वह जबरदस्त एक्शन करती नजर आ रही हैंटाइगर 3 में इमरान हाशमी के किरदार पर खूब चर्चा हो रही हैउन्होंने फिल्म में विलेन बनकर दर्शकों के साथ समीक्षकों का दिल भी जीत लियाटाइगर 3 इमरान की पहली ऐसी फिल्म है, जिसने 350 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार किया है।

बाथरोब पहन मलाइका अरोड़ा ने दिए सिजलिंग पोज

मलाइका अरोड़ा आए दिन अपने पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर लोगों के बीच सोशल मीडिया पर काफी चर्चाएं बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड एंड हॉट लुक इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट बाथरोब फोटोशूट से फैंस को हैरान कर दिया है। इन तस्वीरों में मलाइका किलर पोज देते हुए लोगों के होश उड़ाती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा बढ़ती उम्र के साथ-साथ और भी ज्यादा हॉट और बोल्ड होती जा रही हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट सिजलिंग फोटोशूट फैंस के बीच शेयर किया है। इन तस्वीरों में मलाइका अरोड़ा व्हाइट कलर का बाथरोब पहनकर सोफे में बैठे हुए एक से बढकर एक सेक्सी पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं। मलाइका अरोड़ा भले ही फिल्मों में इतना धमाल नहीं कर पाई लेकिन आए दिन अपनी डांसिग स्टाइल से फैंस के बीच तबाही मचा देती हैं।

हर बार की तरह एक बार फिर से मलाइका ने अपनी अदाओं से फैंस के दिलों पर खंजर चला दिए हैं। बालों को खोलकर, आखों में सनग्लासेस और नो मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि मलाइका अरोड़ा के चाहने वालों की लिस्ट काफी लंबी है।

उनकी हॉटनेस को देखकर लोग अंदाजा नहीं लगा पाते हैं कि वो 50 साल की हो चुकी हैं। आज भी एक्ट्रेस अपनी बोल्डनेस से बॉलीवुड इंडस्ट्री के स्टार किड्स को मात देती हैं। उनकी फिटनेस को देखकर लोग उनसे काफी इंस्पायर्ड भी रहते हैं।

सिंघम अगेन से अजय देवगन की पहली झलक आई सामने

अजय देवगन की फिल्म सिंघम अगेन का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म से कई सेलेब्स के लुक सामने आ चुके हैं और अजय देवगन का फिल्म से लुक सामने आ गया है। अजय देवगन के लुक का फैंस को इंतजार था। आज ये इंतजार खत्म हो गया है और रोहित शेट्टी ने अजय देवगन का फर्स्ट लुक शेयर कर दिया है।

रोहित शेट्टी ने अजय देवगन का लुक शेयर करते हुए लिखा- शेर आतंक मचाता है और जख्मी शेर तबाही। सबका फेवरेट पुलिसवाला। बाजीराव सिंघम वापस आ गया है। सिंघम अगेन।

अजय देवगन का सिंघम अगेन से पहला लुक देखने के बाद फैंस एक्साइटेड हो गए हैं। वह रोहित शेट्टी के पोस्ट पर ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- सुपर सर। साथ में फायर इमोजी पोस्ट की। वहीं दूसरे ने लिखा- अब इंतजार नहीं हो रहा है।

सिंघम अगेन को रोहित शेट्टी ने डायरेक्ट किया है। ये सिंघम फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। अजय देवगन बाजीराव सिंघम में किरदार में नजर आएंगे। अजय के इस किरदार को हमेशा पसंद किया गया है। अजय देवगन के अलावा करीना कपूर फिल्म में फीमेल लीड में नजर आएंगी। अजय ने हाल ही में करीना का लुक शेयर किया था। अजय ने फोटो शेयर करते हुए लिखा था- भयंकर, मजबूत और सिंघम की ताकत। अवनी सिंघम। फोटो में करीना हाथ में गन ताने नजर आ रही हैं और उनके चेहरे पर चोट के निशान हैं। करीना के अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण और टाइगर श्रॉफ भी नजर आने वाले हैं। सिंघम अगेन की रिलीज डेट की बात करें तो ये फिल्म 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म का क्लैश अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 से होगा। दोनों ही फिल्में एक-दूसरे पर भारी पडने़ वाली हैं।

विक्की कौशल के साथ काम करने को बेकरार कैटरीना कैफ

कैटरीना कैफ और विक्की कौशल की जोड़ी बॉलीवुड की सबसे चर्चित जोडियों में से एक है । सोशल मीडिया पर अक्सर दोनों साथ में तस्वीरें साझा करते रहते हैं। प्रशंसक भी विक्की और कैटरीना को साथ में देखना काफी पसंद करते हैं।

पिछले कुछ समय से दर्शक इस जोड़ी को साथ में किसी फिल्म में देखने के लिए बेताब हैंअब इस बीच कैटरीना ने खुलासा किया कि वह विक्की के साथ काम करने के लिए बेकरार हैं।

कैटरीना ने खुलासा किया कि वह विक्की के साथ एक एक्शन फिल्म करना चाहती हैं। कैटरीना ने कहा, विक्की के साथ एक एक्शन फिल्म करना बहुत दिलचस्प होगा। वो एक बेहतरीन कलाकार हैं और मुझे लगता है कि एक अभिनेता के रूप में उनके प्रति सम्मान के कारण हर कोई ऐसा ही महसूस करता है। विक्की अपनी कला के प्रति हमेशा समर्पित रहते हैं। पर्दे पर उनके साथ काम करना बहुत रोमांचक होगा।

कैटरीना मौजूदा वक्त में सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 को लेकर चर्चा में हैं, जो 12 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसमें इमरान हाशमी भी मुख्य भूमिका में हैंफिल्म में कैटरीना जबरदस्त एक्शन करती नजर आ रही हैंटाइगर 3 ने दुनियाभर में 350 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है, वहीं भारतीय बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कमाई 250 करोड़ रुपये की ओर हैइसका निर्देशन मनीष शर्मा ने किया है।

कृति सैनन की बहन होने के फायदे के साथ नुकसान भी : नुपुर सैनन

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सैनन की बहन नुपुर सैनन ने म्यूजिक वीडियो से फिल्मी दुनिया में अपने सफर की शुरुआत की थी।हाल ही में नुपुर ने रवि तेजा की फिल्म टाइगर नागेश्वर राव के साथ तेलुगु सिनेमा में भी अपने कदम रखे हैं।अब नुपुर ने कृति और उनके एक ही इंडस्ट्री में होने पर बात की हैनुपुर मानती हैं कि उन्हें कृति की वजह से काफी फायदा हुआ है, लेकिन इसका कुछ नुकसान भी होता है।

नुपुर मानती हैं कि जिंदगी में किसी ऐसे व्यक्ति का होना अच्छा होता है, जो आपका उस जगह मार्गदर्शन कर सके, जहां आप नए हैंउन्होंने कहा, कृति के होने से मुझे फिल्मी दुनिया को समझने में मदद मिली, क्योंकि मैं जहां से आई हूं, ये उससे बहुत अलग है। मुझे पता चला कि किससे कैसे बात करनी चाहिए और कौन कैसा है। हालांकि, दोनों बहनों के एक इंडस्ट्री से होने के फायदा और नुकसान होते हैं।

नुपुर कहती हैं, जब मैं नुकसान की बात कहती हूं तो इसका मतलब ये है कि आपको अपने नाम से पहचान बनाने में मशक्कत करनी पड़ती है।उन्होंने कहा, जब आपके परिवार में एक शख्स ने बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है तो यह मुश्किल होता है। अगर मैं बिना सैनन की पहचान के फिल्म पॉप कौन से शुरुआत करती तो लोग मुझे अलग नजर से देखते। अब लोग कहते हैं कि अरे उसमें कृति की बहन थी ना।

नुपुर अपनी बहन कृति से अलग पहचान बनाना चाहती हैं, इसलिए वह अलग विकल्प चुनकर आगे बढ़ रही हैं। नुपुर बताती हैं कि उन्होंने यही सब सोच समझकर म्यूजिक वीडियो के साथ अपने सफर की शुरुआत की थी। अभिनेत्री कहती हैं कि वह इस मुकाम को केवल अपने अलग-अलग चुने गए बेहतरीन कामों के साथ ही हासिल कर पाएंगी। मालूम हो कि नुपुर पहली बार अक्षय कुमार के साथ म्यूजिक वीडियो फिलहाल में नजर आई थीं।

नुपुर दक्षिण भारतीय सिनेमा के बाद अब बॉलीवुड में भी शुरुआत करने जा रही हैं। वह नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ फिल्म नूरानी चेहरा में नजर आएंगी।इस फिल्म की शूटिंग मार्च, 2022 में पूरी हो चुकी है, वहीं इसमें सोनाली सहगल, जस्सी गिल और आसिफ खान भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी।यह फिल्म ड्रामे से भरपूर होगी, जिसके निर्देशन की कमान नवनियत सिंह ने संभाली है।यह फिल्म अगले साल 2 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

कृति और नुपुर के अलावा भी बॉलीवुड में कई भाई-बहन की मशहूर जोडियां हैं, जिन्हें लोग पसंद करते हैं।

स्वीप करने का परस्पेशन!

हरिशंकर व्यास

राहुल गांधी 23 सितंबर को जयपुर में कांग्रेस के नए मुख्यालय के शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंचे तब उन्होंने एक कार्यक्रम में पांच राज्यों को विधानसभा चुनाव को लेकर भविष्यवाणी की। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में सरकर बनाएगी लेकिन राजस्थान में कांग्रेस को कड़ी टक्कर मिलेगी। उनके इस बयान की बहुत चर्चा हुई। माना गया कि खुद राहुल ने राजस्थान में अपनी पार्टी की संभावना को कम कर दिया। इसके बाद राहुल राजस्थान से दूर रहे। नौ अक्टूबर को चुनाव की घोषणा हुई उसके बाद राहुल का एक कार्यक्रम नहीं हुआ। वे 23 सितंबर के बाद पहली बार 16 नवंबर को राजस्थान पहुंचे। तब उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस राजस्थान में स्वीप करने जा रही है यानी बड़ी जीत हासिल करने जा रही है।

सवाल है 23 सितंबर और 16 नवंबर के बीच क्या बदल गया, जिसकी वजह से राहुल को लग रहा है कि पहले जो मुकाबला कांटे का था वह एकतरफा हो गया है? यह सिर्फ राहुल गांधी की बात नहीं है, बल्कि कांग्रेस के सभी नेताओं में भरोसा बना है कि हर पांच साल पर राज बदलने का राजस्थान का रिवाज कांग्रेस बदल देगी। इस बार कांग्रेस लगातार दूसरी जीत हासिल करेगी। कांग्रेस का यह भरोसा कई कारणों से बना है। इसमें कुछ भाजपा की गलतियां हैं और कुछ कांग्रेस का अपना प्रयास है। भाजपा ने चुनाव शुरू होते ही पहला दांव गलत चल दिया। पार्टी ने उम्मीदवारों की जो पहली सूची जारी की उसमें वसुंधरा राजे के कई समर्थकों की टिकट काट दी। साथ ही सात सांसदों को विधानसभा की टिकट दे दी। वह भी ऐसी सीट से, जहां से भाजपा पहले जीती थी।

इससे मैसेज बना कि भाजपा नए नेताओं को उतार कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर लड़ेगी। लेकिन इसके बाद पार्टी अचानक पीछे हट गई और दूसरी सूची में वसुंधरा सहित उनके कई समर्थकों को टिकट दी गई। टिकट बंटवारे की गड़बड़ी और रणनीति के इस यू टर्न से भाजपा के बारे में पहला मैसेज सकारात्मक नहीं बना। इसके बाद चुनाव के अधबीच कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित कई नेताओं के यहां केंद्रीय एजेंसियों की छापेमारी से यह मैसेज बना कि भाजपा हताशा में ऐसा कर रही है। कांग्रेस नेताओं के लिए सहानुभूति भी बनी।

दूसरी ओर कांग्रेस ने इस बार आक्रामक तरीके से चुनाव लडऩे का फैसला किया। पहले कांग्रेस जब सत्ता में होती थी तब वह बहुत रूटीन के अंदाज में यह मान कर चुनाव लड़ती थी कि हारना ही है। इस बार बजट पेश करने के साथ ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव का टोन सेट कर दिया। उन्होंने सरकार का खजाना खोल दिया। मुफ्त इलाज से लेकर मुफ्त बिजली और सस्ते सिलेंडर से लेकर महिलाओं के खाते में पैसे डालने तक तमाम तरह की लोक लुभावन योजनाओं की घोषणा कर दीं। कई योजनाएं शुरू भी हुई। चुनाव की घोषणा से दो दिन पहले राज्य में जाति गणना कराने का आदेश भी जारी कर दिया। हर विधायक के क्षेत्र में योजनाएं शुरू कीं और उनका शिलान्यास कराया। तभी राहुल गांधी 16 नवंबर को प्रचार के लिए पहुंचे तो उन्होंने कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आ गई तो वह कांग्रेस की शुरू की गई योजनाओं को बंद कर देगी। जाहिर है कि राहुल गांधी को यह फीडबैक मिली है कि अशोक गहलोत की योजनाओं की अपील लोगों में बनी है और वे उनको दोबारा चुनने के बारे में सोच सकते हैं। सो, गहलोत सरकार की योजनाएं और कांग्रेस की गारंटी के काम करने का भरोसा बना है।

इसके अलावा एक बड़ा काम यह हुआ है कि अशोक गहलोत और सचिन पायलट सार्वजनिक रूप से एक दूसरे के साथ दिख रहे हैं। उन्होंने अपनी लड़ाई को स्थगित कर दिया है। यहां तक कि जब केंद्रीय एजेंसी ईडी ने अशोक गहलोत के बेटे को पूछताछ के लिए बुलाया और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के यहां छापे मारे तो कांग्रेस की ओर से बचाव की कमान सचिन पायलट ने संभाली। उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस करके एजेंसी की कार्रवाई की आलोचना की। लंबे समय के बाद यह भी हुआ कि पिछले दिनों सचिन पायलट ने अशोक गहलोत को ट्विट को रिट्विट किया। जब राहुल गांधी जयपुर पहुंचे तो गहलोत और पायलट उनके अगल बगल थे और उन दोनों की मौजूदगी में राहुल ने स्वीप करने का भरोसा जताया। राहुल के 23 सितंबर के कार्यक्रम में पायलट अनमने तरीके से शामिल हुए थे और सिर्फ ढाई मिनट में भाषण खत्म कर दिया था। लेकिन वे अब मेहनत करते दिख रहे हैं। तभी एकजुट होकर लड़ती दिख रही कांग्रेस में जीत का भरोसा बना है।

पास-पड़ोस की करें चिंता

भारत के लिए आत्म-निरीक्षण का विषय है कि हाल तक उसके प्रभाव क्षेत्र में रहे देश क्यों अब उससे दूरी बनाते दिख रहे हैं? हाल ही में भूटान और चीन के बीच सीमा विवाद सुलझाने के मानदंडों पर सहमति बन गई। अब मालदीव ने भारत को झटका दिया है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज़ू ने राष्ट्रपति पद की शपथ लेते ही भारत को अपने सैन्य कर्मियों को उनके देश से हटा लेने का औपचारिक अनुरोध पत्र दे दिया है। इस तरह यह अटकल गलत साबित हो गई है कि 'इंडिया आउट' का मुद्दा उनका सिर्फ एक चुनावी नारा था और सत्ता में आने के बाद वे इस बारे में अपना रुख नरम कर लेंगे।

मोइज़ू के शपथ ग्रहण समारोह में गए केंद्रीय मंत्री किरण रिजूजू से इस बारे में औपचारिक अनुरोध करते हुए मोइज़ू ने कहा- 'सितंबर में हुए राष्ट्रपति चुनाव में मालदीव की जनता ने उन्हें भारत से ऐसा अनुरोध करने के लिए सशक्त जनादेश दिया।' उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत मालदीव के लोगों की इस लोकतांत्रिक इच्छा का सम्मान करेगा। बेशक, मोइज़ू के इस कदम से भारत के लिए एक असहज स्थिति पैदा हुई है। खासकर यह देखते हुए कि मोइज़ू की छवि चीन समर्थक नेता की है और हाल में उन्होंने चीन में आयोजित हुए बेल्ट एंड रोड फोरम में भी हिस्सा लिया था।

जिस समय हर भू-राजनीतिक घटनाक्रम को दो खेमों में बंटती दुनिया के बीच खींचतान के संदर्भ में देखा जा रहा है, मालदीव के इस कदम को दक्षिण एशिया में चीन की एक और कामयाबी माना जाएगा। यह भारत के लिए आत्म-निरीक्षण का विषय है कि हाल के वर्षों तक उसके प्रभाव क्षेत्र में रहे देश अब क्यों उससे दूरी बनाते दिख रहे हैं? हाल ही में भूटान और चीन के बीच सीमा विवाद सुलझाने के मानदंडों पर सहमति बन गई, जिसे भारत के लिए एक झटका समझा गया है। मालदीव के बारे में मीडिया में आई रिपोर्टों में बताया गया है कि वहां भारत विरोधी माहौल बनने की शुरुआत योग का प्रसार करने के लिए स्थानीय आबादी की भावनाओं का बिना ख्याल किए दिखाए गए अति-उत्साह से हुई। इसका लाभ भारत विरोधी राजनीतिक गुटों ने उठाया। अगर ऐसी बातों में थोड़ा भी दम हो, तो यह जरूरी समझा जाएगा कि भारत सरकार अपने नजरिए में उचित बदलाव ले आए। पास-पड़ोस के जन मानस में भारत के लिए सद्भावना पैदा करना फिलहाल एक सही नीति होगी। (आरएनएस)

सू- दोकू क्र.002

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.01 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

फर्जी खबरों पर कौन लगाएगा लगाम?

मोहन कुमार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डीपफेक को लेकर बड़ी चिंता जाहिर की। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि यह बहुत गंभीर खतरा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि उनका भी एक वीडियो वायरल हुए, जिसमें वे गरबा गा रहे थे। उन्होंने सोशल मीडिया इंटरमीडियरीज से कहा कि वे इस तरह के वीडियो के साथ चेतावनी जारी करें। लेकिन सवाल है कि अगर पार्टियों की ओर से या संगठनों की तरह से सांस्थयिक रूप से इस तरह के वीडियो और खबरों का प्रचार किया जाएगा तो उसे कैसे रोका जा सकेगा? अगर केंद्र और राज्यों में सत्तारूढ़ दलों की ओर से फर्जी खबरों का प्रचार होगा तो उसे कौन रोकेगा?

प्रधानमंत्री के चिंता जताने के एक दिन बाद ही एक ऐसी फर्जी खबर फैली, जिससे यह सवाल उठा कि इसे कौन रोकेगा? अचानक पूरे देश में सोशल मीडिया पर यह खबर वायरल हुई कि भारत की अर्थव्यवस्था चार खरब डॉलर की हो गई। इसका एक स्क्रीनशॉट वायरल हो रहा था। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने उसे ट्विट किया। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडऩवीस ने भी ट्विट किया और देश के नंबर दो उद्योगपति गौतम अडानी ने भी ट्विट किया। हालांकि बाद में उन्होंने इसे डिलीट कर दिया। सरकार को इस बात की जांच करानी चाहिए कि किसने और किस मकसद से यह प्रचार किया। इसी तरह जिस दिन मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव हो रहे थे उस दिन बिहार में अचानक सोशल मीडिया में खबर वायरल हुई कि राज्यपाल ने आरक्षण बढ़ाने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी। यह खबर इतनी फैली की मुख्यधारा की मीडिया ने भी दिखाना शुरू कर दिया। बाद में पता चला कि राज्यपाल ने विधेयक को मंजूरी नहीं दी है। ऐसी खबरों पर रोक लगाने का तंत्र विकसित करना होगा।

दुनियाभर में बजा फिल्म टाइगर 3 का डंका!

यशराज बैनर तले बनी सलमान खान और कटरीना कैफ की फिल्म टाइगर 3 की गति इंडिया में भले ही काफी स्लो डाउन हो गयी हो, लेकिन वर्ल्डवाइड कमाई में ये मूवी बहुत ही तेज रफ्तार से आगे बढ़ रही है। इस फ्रेंचाइजी में इस बार सलमान खान ने जहां अपना दमदार एक्शन लोगों को दिखाया, तो वहीं इमरान हाशमी भी अपने किरदार से उन्हें कड़ी टक्कर देते हुए नजर आए। मनीष शर्मा के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने जहां 9वें दिन तक 388 करोड़ का आंकड़ा पार किया था, तो वहीं अब टाइगर 3 वर्ल्डवाइड 400 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है।

सलमान खान की टाइगर 3 पर इंडिया वर्सेज ऑस्ट्रेलिया के वर्ल्ड कप फाइनल का काफी असर देखने को मिला। हालांकि, विदेशों में दर्शक इस फिल्म पर कितना प्यार बरसा रहे हैं , इस बात का अंदाजा आप टाइगर 3 की 10 दिनों की कमाई से लगा सकते हैं। 10वां दिन बॉक्स ऑफिस पर पूरा करने के साथ ही इस मूवी ने दुनियाभर में 400.50 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। अगर ग्लोबली इस फिल्म की रफ्तार ऐसी ही बढ़ती रही, तो टाइगर 3 जल्द ही सनी देओल की फिल्म गदर 2 का रिकॉर्ड भी तोड़ सकती है। टाइगर 3 ओवरसीज कमाई के मामले में पहले ही बड़ी-बड़ी फिल्मों को मात दे चुकी है।

मजदूर की गला रेत कर हत्या मामले में पुलिस के हाथ पहुंचे हत्यारों तक

संवाददाता

देहरादून। मजदूर शम्भू की गला रेतकर हत्या के मामले में पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे हैं। पुलिस का दावा है कि कुछ घंटों में घटना का खुलासा कर हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

उल्लेखनीय है कि गत दिवस पुलिस को सूचना मिली कि सिंगल मंडी में एक व्यक्ति की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी गयी है। शव के पास से एक पेपर काटने वाला चाकू पडा मिला था। मृतक मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कुशीनगर का रहने वाला था यहां पर वह रंगाई पुताई का काम करता था। मृतक का अपनी पत्नी से पारिवारिक विवाद भी चल रहा था। रविवार को शम्भू रोज की तरह रंगाई पुताई के काम से शाम करीब पांच बजे के आसपास घर आया था। उसकी पत्नी ने उसको खाने के लिए पूछा लेकिन उसने मना कर दिया। करीब साढे छह बजे उसे एक फोन आया और वह घर से निकल गया। उसकी पत्नी ने उसको फोन भी किया लेकिन एक बेल बजने के बाद फोन बंद हो गया तथा अगले दिन उसका शव रेलवे ट्रेक पर खडे एक लोकोमोटिव के पास पडा मिला था। पुलिस इस मामले में पत्नी से विवाद होने के कारणों में तलाश रही है। एसपी सिटी श्रीमती सरिता डोभाल ने फोन पर सम्पर्क करने पर बताया कि पुलिस हत्यारोपियों तक पहुंच गयी है तथा पत्नी के विवाद के मामले पर पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हत्या के अन्य कारण हो सकते हैं। वहीं शहर कोतवाल राजेश शाह ने सम्पर्क करने पर बताया कि पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग हाथ में लगे हैं तथा पुलिस कुछ घंटों के अंतराल में घटना का खुलासा कर सकती है।

❑जल्द हो सकता है खुलासा

एक्टिवा की चपेट में आकर वृद्ध की मौत

संवाददाता

देहरादून। एक्टिवा की चपेट में आकर वृद्ध की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतक के बेटे की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार देव सुमन नगर निवासी सुरेन्द्र मैसी ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पिता सैमसन मैसी गढी कैण्ट से ई-रिक्शा में बैठकर बल्लूपुर चौक पर उतरे थे तभी एक एक्टिवा सवार ने उनको टक्कर मार दी जिससे उनकी मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

1.030 किलोग्राम चरस सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। चरस तस्करी में लिप्त एक शातिर को पुलिस ने 1.030 किलोग्राम चरस सहित गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती रात थाना थराली पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले पदार्थों की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया।

तलाशी के दौरान उसके पास से 1.030 किलोग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम बलबंत राम उर्फ राघव उर्फ बिल्लू पुत्र दलवीर राम निवासी रतगांव थाना थराली जिला चमोली बताया। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। बरामद चरस की कीमत 1 लाख 30 हजार रूपये बतायी जा रही है।

-नगर निगम होर्डिंग घोटाला-

मेयर गामा और कांग्रेस नेता थापर आमने-सामने

विशेष संवाददाता

देहरादून। नगर निगम में हुए होर्डिंग घोटाले को लेकर अब मेयर सुनील उनियाल गामा जिनका कार्यकाल इसी साल पूरा होने वाला है और इस करोडों के घोटाले का खुलासा करने वाले कांग्रेस नेता अभिनव थापर आमने-सामने आ गए हैं।

उल्लेखनीय कि बीते दिन कांग्रेसी नेता अभिनव थापर ने नगर निगम में हुए इस बड़े होर्डिंग घोटाले का खुलासा पत्रकार वार्ता में किया था। जिसके बाद मेयर उनियाल ने कहा था कि उनका इस होर्डिंग घोटाले से कोई संबंध नहीं है टेंडर एक प्रक्रिया है जिसके बाद ही काम दिया जाता है अगर कहीं कुछ गड़बड़ी हुई है तो उसकी जांच कराई जाएगी।

कांग्रेस नेता अभिनव थापर का कहना है की जांच की बात कर मेयर गामा इस बड़े घोटाले पर लीपापोती करने में लगे

❑कागज-फाइल सब मौजूद फिर भी क्यों नहीं किये जांच के आदेश?

हुए हैं। उनका कहना है कि उन्होंने 11 अक्टूबर 2023 को इस मामले में उन्हे पत्र सौंपा था जिस पर उन्होंने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। उनका कहना है कि अब उनका कार्यकाल भी समाप्त होने वाला है तथा 30 नवंबर को वर्तमान नगर निगम बोर्ड की अंतिम बैठक होने वाली है। इसके बाद नगर निगम में प्रशासक नियुक्त कर दिया जाएगा। उनका कहना है कि मेयर सुनील उनियाल गामा के पास अभी जो संवैधानिक अधिकार है उनका अगर वह इस्तेमाल करें तो वह अभी इस घोटाले की जांच के आदेश कर सकते हैं। उनका कहना है कि लेकिन उन्हें उनकी ऐसी कोई मंशा दिखाई नहीं दे रही है।

उल्लेखनीय है कि थापर ने अपनी पत्रकार वार्ता में एक सुनियोजित तरीके से इस घोटाले को अंजाम दिए जाने का आरोप लगाया गया था। उन्होंने कहा था कि अगर सीएम इसकी जांच करायें तो यह 300 करोड़ से अधिक का घोटाला है जिसमें नगर निगम को भी करोड़ों का नुकसान पहुंचा है, तथा हाईकोर्ट के आदेशों का उल्लंघन किया गया है। ब्लैक लिस्टेड कंपनियों को नियमावली को ताक पर रखकर टेंडर दिए जाने का आरोप भी थापर ने लगाया था। थापर ने कहा है कि मेयर सुनील उनियाल भी जांच की बात कर क्यों रहे हैं जांच कराते क्यों नहीं है।

एक्टिवा चोरी

देहरादून (सं)। फास्ट फूड की दुकान के बाहर से एक्टिवा चोरी हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार संजय कालोनी निवासी निखिल ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह मातावाला बाग के पास फास्ट फूड की दुकान पर गया था। उसने अपनी एक्टिवा दुकान के बाहर खडी कर दी थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने लच्छीवाला फ्लाईओवर के पास एक एक्टिवा सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख एक्टिवा को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने एक्टिवा से 156 पव्वे शराब के बरामद कर लिये।

पूछताछ में उसने अपना नाम टीकम सिह पुत्र बाबू सिंह निवासी आदर्श कालोनी रायपुर बताया। वहीं नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने रिस्पना नगर से 81 पव्वे शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम माधव ढौडियाल पुत्र सुनील ढौडियाल निवासी ऋषिकेश बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर एक्टिवा को सीज कर दिया।

शहरी क्षेत्रों के लिए रवाना हुई विकसित भारत संकल्प यात्रा वैन

❑शहरी विकास मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने हरी झंडी दिखा किया रवाना

हमारे संवाददाता

देहरादून। आम जनों को केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करने और उन्हें उन योजनाओं का लाभ देने के उद्देशय से शुरू की गई विकसित भारत संकल्प यात्रा को आज शहरी विकास मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने देहरादून नगर निगम से हरी झंडी दिखा कर देहरादून के शहरी क्षेत्रों लिए रवाना किया गया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के रथ को हरी झंडी दिखाने के बाद शहरी विकास मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य भारत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाना है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि इस यात्रा में तमाम विभाग जो योजनाओं को संचालित कर रहे हैं वो अलग-अलग स्थानों पर कैंप लगाएंगे और जो लोग किसी कारण से योजनाओं के लाभ से वंचित रहे हैं, उन्हें उसका लाभ देंगे। उन्होने कहा कि केंद्र सरकार जनजातीय, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विकसित भारत यात्रा का आयोजन कर रही है।

विकसित भारत यात्रा के दौरान लोगों को भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र

बनाने की शपथ भी दिलवाई जाएगी, ताकि इस उदेश्य में सबकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इस दौरान मौजूद लोगों को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री मोदी का विकसित भारत को लेकर संबोधन भी सुनाया जायेगा।

आज विकसित भारत संकल्प यात्रा देहरादून के हर्रावाला पहुंची, जहाँ उसका स्वागत डोईवाला विधायक ब्रिज भूषण गैरोला ने किया। इस दौरान उन्होंने लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्देश्य है कि भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बने और उसके लिए आम जन की भागीदारी महत्वपूर्ण है। कहा कि 'सबका साथ , सबका विकास और सबका विश्वास' के मन्त्र से ही 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बनेगा। हर्रावाला के बाद यात्रा रथ नेहरू ग्राम रवाना हुआ। इन दोनों स्थानों पर स्वास्थ्य विभाग, उद्योग विभाग, पीएनबी बैंक आदि कई विभागों ने लोगों को योजनाओं के फायदे बताने और उन्हें उसका लाभ देने के लिए कैंप लगाए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित कैंप में लोगों का मुफ्त स्वास्थ्य परिक्षण भी किया जा रहा है। इस दौरान लोगों को विकसित भारत बनाने की शपथ भी दिलवाई गई।

एक नजर

खाना स्वादिष्ट नहीं लगा तो बेटे ने मां की हत्या की

ठाणे। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के एक शख्स ने अपनी मां को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। वो भी सिर्फ इसलिए क्योंकि उन्होंने जो खाना उसे दिया था वो उसे स्वादिष्ट नहीं लगा। शख्स ने मां से इसी बात को लेकर झगड़ा करना शुरू कर दिया फिर दरांती से उनकी गर्दन पर हमला कर दिया। जिसके बाद खून से लथपत महिला ने बेटे के सामने ही दम तोड़ दिया। एक न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पड़ोसियों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है। घटना मुरबाद तालुका के वेलु गांव की है। जानकारी के मुताबिक, मां-बेटे के बीच अक्सर घरेलू मामलों को लेकर झगड़ा होता रहता था। जब 55 वर्षीय महिला ने अपने बेटे को खाना खाने के लिए दिया तो वह गुस्से में तिलमिला उठा। उसने मां से कहा कि तुमने खाना स्वादिष्ट क्यों नहीं बनाया? इसी बात पर दोनों के बीच झगड़ा शुरू हो गया। तभी बेटे ने पास रखी दरांती से मां की गर्दन पर जोरदार वार कर दिया। इससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गई और उनकी वहीं मौत हो गई। फिर बेटे ने खूब सारी नींद की गोलियां खा लीं और कमरे में जाकर सो गया। पड़ोसियों को जब इस बात का पता चला तो उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी। साथ ही आरोपी बेटे को अस्पताल पहुंचाया।

बेटे अर्जुन कपूर की गर्लफ्रेंड के साथ टीवी शो में नजर आएंगे बोनी कपूर !

मुंबई। टीवी के चर्चित डांस रिएलिटी शो झलक दिखला जा में मलाइका अरोड़ा बतौर जज तहलका मचा रही हैं। हर दिन उनके चर्चे होते रहते हैं। मलाइका अरोड़ा डांस की महारथी हैं। उनके मूव्स हर किसी का दिल जीत लेते हैं। अब खबर है कि उनके साथ शो पर कोई स्पेशल सम्मिलित होने वाला है। हम बात कर रहे हैं बोनी कपूर की। प्राप्त एक रिपोर्ट के अनुसार, बोनी कपूर डांस शो में गेस्ट जज के रूप में आने वाले हैं। ये पहली बार होगा जब बोनी कपूर और मलाइका अरोड़ा नेशनल टेलीविजन पर किसी स्टेज को शेयर करेंगे। मलाइका बोनी के बेटे अर्जुन कपूर को लंबे वक्त से डेट कर रही हैं। दोनों की जोड़ी प्रशंसकों की पसंदीदा है। कपल अक्सर ही खबरों में रहता है। ऐसे में देखना तो दिलचस्प होगा कि बेटे अर्जुन कपूर की गर्लफ्रेंड के साथ बोनी कैसी ट्यूनिंग बैठा पाते हैं। बता दे कि झलक दिखला जा में मलाइका के साथ फराह खान और अरशद वारसी भी जज हैं। हाल ही मे आमिर अली का फर्स्ट एलिमिनेशन हुआ था। वही अब इस खबर से मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर के फैंस का उत्साह बढ़ गया है तथा हर कोई मलाइका अरोड़ा और बोनी कपूर को साथ देखने के लिए उत्साहित है।

तमिलनाडु के मंत्री को सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल ग्राऊंड पर जमानत देने से किया इन्कार

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मंत्री सेंथिल बालाजी को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल ग्राऊंड पर जमानत देने इन्कार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नियमित जमानत के लिए निचली अदालत में याचिका दाखिल करें, साथ ही कोर्ट ने निचली अदालत से कहा कि अदालत की किसी भी टिप्पणी से निचली अदालत प्रभावित न हो। सेंथिल बालाजी ने सुप्रीम कोर्ट से याचिका वापस ले ली है। बता दें कि तमिलनाडु के मंत्री सेंथिल बालाजी मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में जेल में बंद हैं। तमिलनाडु के बिजली और आबकारी मंत्री वी सेंथिल बालाजी को ईडी ने 14 जून को गिरफ्तार कर लिया था। इस दौरान मंत्री की तबीयत बिगड़ गई थी और वो पुलिस हिरासत में अस्पताल ले जाए जाने तक रोते दिखाई दिए थे। मंत्री से धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत नौकरी घोटाले को लेकर पूछताछ की गई थी। इस पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। यह छापेमारी करीब 24 घंटे तक चली और उनसे पूछताछ भी की गई। इसके बाद उन्हें बताया गया कि उन्हें जांच एजेंसी ने गिरफ्तार कर लिया है। अपनी गिरफ्तारी की खबर सुनने के बाद उन्होंने सीने में दर्द की शिकायत की और उन्हें चेन्नई के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया था। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने सेंथिल के खिलाफ कथित कैश-फॉर-जॉब घोटाले की पुलिस और ईडी जांच की अनुमति दी थी। यह मामला 2014 का है, जब सेंथिल अन्नाद्रमुक सरकार में परिवहन मंत्री थे।

रंगदारी मामले में आंतकी अर्शडाला का सहयोगी हरिद्वार से गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड एसटीएफ एवं दिल्ली स्पेशल सेल द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए रंगदारी मामले में कुख्यात बदमाश (आतंकी) अर्शडाला के सहयोगी को जनपद हरिद्वार से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियारों की बरामदगी की गयी है। हालांकि इससे पूर्व दिल्ली की स्पेशल सेल द्वारा अर्शडाला के शूटर राजप्रीत उर्फ राजा उर्फ बम को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। जिससे हुई पूछताछ के बाद यह गिरफ्तारी की गयी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि रंगदारी एवं धमकी देने के मामले में थाना मंगलौर जनपद हरिद्वार में पंजीकृत मुकदमें में कुख्यात अपराधी अर्शप्रीत उर्फ अर्शडाला के सहयोगियों की धरपकड़ हेतु उत्तराखंड एसटीएफ द्वारा प्रयास किये जा रहे थे। बीते रोज उत्तराखण्ड एसटीएफ एवं स्पेशल सेल दिल्ली की संयुक्त टीम द्वारा थाना मंगलौर के ग्राम टिकोला में दबिश देकर अर्शडाला के सहयोगी सुशील कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

एसटीएफ एसएसपी द्वारा बताया गया कि इससे पूर्व दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल द्वारा अर्शदीप उर्फ अर्शडाला के शूटर राजप्रीत सिंह उर्फ राजा बम पुत्र गुरुचरण सिंह को गिरफ्तार किया गया था, जिससे पूछताछ में अर्शडाला के सहयोगी सुशील कुमार पुत्र स्व. जयकरण सिंह निवासी ग्राम टिकोला थाना मंगलौर जनपद हरिद्वार का नाम प्रकाश में आया था।

आरोपी सुशील कुमार द्वारा रंगदारी प्रकरण में पीड़ित से पुरानी रंजिश होने के कारण अर्शप्रीत अर्फ अर्शडाला के माध्यम से सिगनल एप के द्वारा रंगदारी एवं जान से मारने की धमकी दिलवायी गयी थी।

❑भारी मात्रा में हथियार बरामद

अर्श डल्ला को नेशनल इनवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने पिछले साल आतंकी घोषित किया था। 27 वर्षीय अर्श डाला मूल रूप से पंजाब के मोगा जिले के डाला गांव का रहने वाला है। वह अब कनाडा में रहता है। उस पर पंजाब में आतंकी फंडिंग, सीमा पार से हथियारों की तस्करी और कई टारगेट किलिंग को अंजाम देने का आरोप है। सितम्बर 2023 को कनाडा में अर्श डाला के करीबी सुखविन्दर गिल उर्फ सुक्खी दुनेकी की हत्या हो गयी थी, इस हत्या की जिम्मेदारी लॉरेन्स बिश्नोई गैंग ने ली थी। अर्श डाला को शक था की उक्त हत्या मे लॉरेन्स बिश्नोई गैंग की मदद पंजाबी संगीत उद्योग जगत के सैलिब्रिटी एली मंगत निवासी पंजाब ने की थी, जिस कारण अर्श डाला एली मंगत को अपने शूटर राजप्रीत उर्फ राजा उर्फ बम के माध्यम से हत्या करवाना चाहता था। दिल्ली स्पेशल सेल ने बीती 26 नवम्बर को राजप्रीत सिंह उर्फ राजा बम सहित अर्श डाला गैंग के 4 शूटरो को गिरफ्तार किया तथा इसी क्रम में एसटीएफ उत्तराखण्ड व स्पेशल सेल दिल्ली की संयुक्त कार्यवाही में बीती शाम सुशील कुमार पुत्र स्व. जयकरण सिंह निवासी ग्राम टिकोला को गिरफ्तार किया गया। आरोपी सुशील कुमार राजप्रीत उर्फ राजा बम का करीबी है तथा उनको हथियार सप्लाई करता था। अर्श डाला का मुख्य शूटर राजप्रीत उर्फ राजा बम पंजाब में हुये एक हत्या के मुकदमे में फरार चल रहा था, छिपने के लिये जनवरी 2023 से जुलाई 2023 तक सुशील कुमार के घर ग्राम टिकोला हरिद्वार में रहा और इस दौरान अर्श डाला से बात करता रहा और सुशील कुमार की भी जान पहचान अर्श डाला से करवायी। सुशील कुमार द्वारा अर्श डाला से सिगनल एप के माध्यम से बात की तथा टिकोला निवासी कविन्द्र प्रमुख को अर्श डाला से धमकी दिलवायी गयी थी। सुशील कुमार के घर से भारी मात्रा में हथियार व कारतूस बरामद हुये, जिससे पूछताछ की जा रही है।

पिता का दोस्त बनकर ठगे 95 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। फोन पर पिता का दोस्त बनकर 95 हजार रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रेवती विहार बडोवाला निवासी दीपक सुन्द्रियाल ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह कम्प्यूटर का बिजनेंस करता है। 20 नवम्बर को उसकी बेटी परनीका को सांय साढे चार बजे उसके मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर उसने अपना परिचय देते हुए कहा कि वह उसके पापा का दोस्त नवीन बोल रहा है उसने उसके पापा को 15 हजार रूपये देने है जो उनके खाते में ट्रान्सफर नहीं हो पा रहे हैं इसलिए दीपक ने उसका मोबाइल नम्बर देकर कहा है कि उसकी बेटी के खाते में पेमेण्ट डाल दो। कुछ देर बाद उसकी बेटी ने मोबाइल चैक किया तो उसके मोबाइल पर दस हजार व 50 हजार रूपये क्रेडिट होने का मैसेज आया था। इसके बाद पुन: उसी नम्बर से उसकी बेटी को दोबारा फोन आया कि उसने कहा कि गलती से पांच हजार की जगह 50 हजार रूपये ट्रान्सफर हो गये है तो 45 हजार रूपये ट्रान्सफर कर दे। इस पर उसकी बेटी ने उस अंजान व्यक्ति को उसका दोस्त समझ कर उस व्यक्ति के कहने पर यूपीआई के माध्यम से 45 हजार रूपये ट्रान्सफर कर दिये। थोडी देर बाद उसकी बेटी को मोबाइल पर पुन: 50 हजार रूपये क्रेडिट होने का मैसेज प्राप्त हुआ। उसी नम्बर से दोबारा फोन आया कि गलती से दोबारा 50 हजार रूपये उसके खाते में ट्रान्सफर हो गये है इसपर उसकी बेटी से 50 हजार रूपये फिर मोबाइल नम्बर पर ट्रान्सफर कर दिये। जब वह घर पहुंचा तो उसकी बेटी ने उसको सारी बात बातयी। तब उसने कहा कि उसने किसी को भी पैमेण्ट करने के लिए अपनी बेटी का नम्बर नहीं दिया।

उसने जब अपनी बेटी का मोबाइल चैक किया तो देखा कि उसकी बेटी को जो पैसे ट्रान्सफर करने के मैसेज मिले थे वह बैंक से नहीं आये थे। जिसके बाद उसने बैंक से पता किया तो उसकी बेटी के खाते से 95 हजार रूपये की साइबर ठगी हो गयी थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

देहरादून (सं)। महिला ने गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार बीरपुर डाण्डी मोड निवासी सुनील थापा ने रानीपोखरी थाना पुलिस को सूचना दी कि उसकी पत्नी सुनीता थापा ने दरवाजा बंद कर पंखे से लटकर फांसी लगा ली है। सूचना मिलते ही रानीपोखरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोडकर अन्दर प्रवेश किया तो सुनीता थापा पंखे से लटकी मिली जिसको पुलिस ने नीचे उतारा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।